# विज्ञान समिति, उदयपुर

# मासिक रिपोर्ट

Estb : 1959
Reg. No. 94 / 68-69

नियमित मासिक प्रकाशन का सोलहवां वर्ष

Phone :
0294-2413117, 2411650
E-mail Id :
samitivigyan@gmail.com
Website :
www.vigyansamitiudaipur.org

अंक :190 | स्वैच्छिक सेवा का 59 वां वर्ष | जनवरी 2018


## विज्ञान लोकप्रियकरण

● **लोकविज्ञान प्रकाशन :** जनवरी अंक के लेख **'आनुवांशिकता की कहानी–3, विलक्षण पदार्थ : ग्रेफीन, जल प्रदूषण सेू उत्पन्न रोग, आरोग्यकारी फल।**

## एमपीयूएटी एवं विज्ञान समिति साझा कार्यक्रम : आर्दश ग्राम देवाली विकास कार्यक्रम -

संयुक्त बैठक का आयोजन दिनांक 18.01.2018 को विज्ञान समिति परिसर में किया गया। यह बैठक एमओयू के अंतर्गत देवाली गाँव के विकास के सम्बन्ध में दूसरे वर्ष के कार्यक्रम को तय करने के लिए की गई थी।

**उपस्थित सदस्य – कृषि विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि –**

1. डॉ. जी.एस. तिवारी (अध्यक्ष), 2. डॉ. अरुणाभ जोशी 3. डॉ. शशि जैन 4. डॉ. आर.ए. कौशिक 5. डॉ. सुधीर जैन 6. डॉ. एम. के. जैन

**विज्ञान समिति के प्रतिनिधि एवं विशेष आमंत्रित सदस्य –**

1. डॉ. के.एल. कोठारी 2. डॉ. एल. एल. धाकड़ 3. डॉ. के.पी. तलेसरा 4. डॉ. के.एल. तोतावत 5. डॉ. जी.एस. आमेटा 6. श्री वाय.एस. कोठारी 7. श्री आर सी भटनागर 8. श्री मुनीश गोयल 9. डॉ. बी.एल. चावत 10. डॉ. एस. एल. गोदावत 11. डॉ. जैनेन्द्र दोशी 12. श्री एस.एल. भण्डारी 13. श्री आर.के. खोखावत 14. डॉ. सुभाष भार्गव 15. श्रीमती मंजुला शर्मा 16. डॉ. प्राची भटनागर

**देवाली ग्राम**: श्री इन्दरसिंह, श्री भंवरसिंह ।

**महत्वपूर्ण सुझाव जो उभरे –**

1. गाँव में कार्यालय की स्थापना – गाँव वालों ने कम्यूनिटी सेंटर देना स्वीकार कर लिया है। एक कार्यकर्ता का प्रबन्ध करना है, जिसके Stipend के लिए विश्वविद्यालय का सहयोग अपेक्षित है।
2. गाँव काकार्य पूरा नहीं हुआ है उसे पूरा करवाकर विश्वविद्यालय के सहयोग Document प्रकाशित करना।
3. खरीफ–रबी दोनों फसलों के लिए प्रथम पंक्ति के प्रदर्शनों का आवंटन। विश्वविद्यालय से अपेक्षा।
4. वर्मी कम्पोस्ट की कम से कम 50 यूनिट लगवाना।
5. आम, अमरुद, नींबू, पपीता के 100–100 पौधे लगवाना एवं गाँव में बेर बडिंग का कार्य करना। विश्वविद्यालय से अपेक्षा।
6. सब्जियों के प्रदर्शन एवं किचन गार्डन्स का विकास करवाना।
7. डेयरी के लिए लोग आगे आ रहे हैं अतः दो डेयरी यूनिट्स लगवाना।
8. समन्वित कृषि प्रणाली (IFS) के विकास हेतु गाँव में मॉडल विकास।
9. विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित लिटरेचर उपलब्ध करवाना।
10. 100 मृदा स्वास्थ्य कार्ड बनवाना।
11. गाँव में तिमाही संयुक्त बैठक सुनिश्चित करना।
12. इन सारे कार्यक्रमों को देखरेख करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा एक नोडल ऑफिसर की नियुक्ति।

उल्लेखनीय है कि 2 दिसम्बर 2016 को इस गाँव को गोद लेने का विधिवत उद्घाटन माननीय कुलपति **डॉ उमाशंकर शर्मा** द्वारा किया गया था एवं 2 दिसम्बर 2017 को वार्षिक समारोह का आयोजन ग्राम देवाली में भी किया गया था।

बैठक के प्रारम्भ में **डॉ के.एल. कोठारी** ने स्वागत किया। **डॉ श्रीमती शशि जैन** डीन, गृहविज्ञान महाविद्यालय ने बताया कि ग्रामीण महिलाओं को किचन गार्डन लगाने के लिये प्रोत्साहित किया जाना चाहिए जिसमें कुछ मदद अपनी ओर से की जा सकती है। उत्पादित माल को लम्बे समय तक रखने के लिए कॉलेज में अच्छी ट्रेनिंग दी जा सकती है तथा ग्राम में ही उत्पन्न खाद्य पदार्थों से संतुलित भोजन बनाया जा सकता है, जिससे पूरा परिवार लाभान्वित होगा। **डॉ जैनेन्द्र दोशी** ने ग्राम में किए गए सर्वेक्षण के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए बतलाया कि कुल 48 परिवारों का ही सर्वे किया जा सका। इसमें ये प्रयत्न किया गया कि सभी जातियां तथा मोहल्लों के लोगों से जानकारी प्राप्त की जा सके। इस सम्बन्ध में सर्वेक्षण से निकले मुख्य बिन्दुओं पर जानकारी दी।

**डॉ अरुणाभ जोशी,** डीन आरसीए ने बताया कि कृषि शिक्षा विद्यालयी पाठ्यक्रम में कृषि विषय का समावेश किया जाए ताकि छात्रों को उन्नत आधुनिक तकनीक का ज्ञान हो सके। कृषकों को विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों/फार्मों तथा अन्य स्थानों का भ्रमण भी करवाना चाहिए। **डॉ सुधीर जैन** विभागाध्यक्ष नवीनीकरण ऊर्जा, सीटीएई ने बायोगैस प्लांट लगाने की सिफारिश की तथा वे इसके लिए स्थानीय लोगों को ट्रेनिंग दिलवा सकते हैं। **डॉ. आर.ए. कौशिक** ने बताया कि ग्राम में कृषकों तथा महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों का गठन किया जाना चाहिए एवं बैरों को सुधारने के लिए उन पर बडिंग करवाया जा सकता है। नींबू तथा अन्य फलदार वृक्ष गाँवों में लगाया जाना चाहिए। करौंदे की बाड़ लगाने की भी उन्होंने सिफारिश की। **डॉ एम.के. जैन** ने बताया कि दुधारु पशुओं के कृत्रिम गर्भाधान से ग्राम दूग्ध उत्पादन बढ़ाया जा सकता है। **श्री इंदरसिंह** तथा **श्री भँवरसिंह** ने भी अपनी स्वयं की डेयरी लगाने की इच्छा व्यक्त की।

विशेष आमंत्रित **डॉ एस.एल. गोदावत** ने बतलाया कि ग्राम में उच्च उत्पादन देने वाली फसलों की किस्मों के बीज अपनाने के लिए प्रोत्साहन को प्रमुखता देनी चाहिए। अच्छे बीज ही अधिक उत्पादन के लिए सबसे अधिक मददगार सिद्ध होंगे। बीज की उपलब्धता कराने के लिए विश्वविद्यालय की मदद ली जा सकती है। **डॉ सुभाष भार्गव** ने बताया कि ग्रामीण विकास के लिए शिक्षा, एवं सफाई पर ध्यान देने की आवश्यकता है। ग्रामवासियों के स्वास्थ्य कार्ड भी बनना चाहिए तथा पीने के पानी की

## आर्थिक सहयोग

- **छात्रवृत्ति** - इंजी. एस.एल. गोदावत– रु. 5000/–, श्रीमती मंजू पानेरी– रु. 1000/–
- **सामान्य सहयोग**–श्री भंवरलाल डागलिया–रु.5000/–
- **वार्षिक सहयोग**– श्रीमती रेणु भण्डारी– रु. 1000/–, श्री प्रकाश तातेड– रु. 2000/–, इंजी. एस.एल. गोदावत– रु. 5000/–, श्री अविनाश भटनागर–रु. 1000/–, श्रीमती प्राची भटनागर– रु. 1000/–, सुश्री प्रतिची अविनाश भटनागर– रु 1000/– । **सभी सहयोगकर्ताओं का हार्दिक आभार।**


सम्प्रेरक : डॉ. के.बी. शर्मा, अध्यक्ष; डॉ. के.पी. तलेसरा, कार्यकारी अध्यक्ष; रमेश चन्द्र भटनागर, महासचिव
समन्वयक : डॉ. के.एल. कोठारी सम्पादक : श्री प्रकाश तातेड़

शुद्धता की जाँच करवाई जाए। शासन के सहयोग से सड़क, बिजली आदि में सुधार किया जाए। ग्रामवासियों को कम्पोस्ट खाद तथा जैविक खेती लगाये जाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। लोगों को धुआँरहित चूल्हा, तथा सौर ऊर्जा से फसलों को सुखाने के लिए उपकरण आदि का प्रदर्शन लगाया जा सकता है।

विज्ञान समिति से **डॉ. यशवन्त कोठारी** ने तुलसी निकेतन समिति द्वारा शिक्षा के बारे में सेवाओं की जानकारी दी और उन्होंने आश्वासन दिया कि देवाली गांव से भेजे गए बच्चों को विशेष प्रमुखता एवं सुविधा दी जाएगी। मूक बधिर बच्चों के लिए निःशुल्क शिक्षा उनके द्वारा संचालित स्कूल में दी जाती है उसकी भी जानकारी दी। **डॉ ए.के. सचेती** ने युवाओं के लिए कौशल विकास की केन्द्र सरकार की योजनाओं पर प्रकाश डाला। **डॉ. के.पी. तलेसरा** ने सड़क, रोशनी के लिए सौलर पैनल लगाने की राय दी। ग्राम में सेमफली, बंगाली पालक आदि आसानी से उगाया जा सकता है। **डॉ. एल.एल. धाकड़** ने ग्राम देवाली को आदर्श ग्राम बनाने पर जोर दिया जिससे आस–पास के क्षेत्र में लोगों को सीखने को मिले। गेहूँ की सौ प्रतिशत उन्नत किस्म लगानी चाहिए। पानी की उपलब्धता होने के कारण अधिक दूध देने वाले पशु ग्राम में विकसित किए जाने चाहिए जिनके लिए रिजका की खेती भी जरूरी होगी। **डॉ. जी.एस. आमेटा** ने ग्राम की शोचनीय स्थिति की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने बताया कि ग्राम में अभी तक मिट्टी का एक भी परीक्षण नहीं हुआ, कम्पोस्ट पिट नहीं है, उन्नत किस्म के बीज का उपयोग नहीं है, पानी की उपलब्धता के बावजूद किचन गार्डन नहीं है। उन्होंने अगले वर्ष के कार्यक्रम पर प्रकाश डाला। ग्राम में नींबू, पपीता तथा सब्जियों का उत्पादन बढ़ाया जाएगा। डेयरी उद्योग की काफी संभावनाएं हैं और इसके लिए प्रयत्न किए जाएंगे। कृषकों को उन्नत बीज लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

बैठक के विचारणीय बिन्दु के सम्बन्ध में डॉ कोठारी ने इस पर प्रकाश डाला तथा सदस्यों ने इस पर सहमति व्यक्त की। डॉ. कोठारी ने बताया कि बहुत महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुए हैं, विश्वविद्यालय के सभी उपस्थित सदस्यों से निवेदन है कि वे इस सम्बन्ध में एक संक्षिप्त टिप्पणी भेज दें, जिससे अगली कार्यवाही करने में सुविधा हो। उन्होंने ये भी बताया कि ग्राम में पूर्व में गठित विकास समिति का पुनर्गठन किया गया है जिसमें इस बात का ध्यान रखा गया है कि इसमें सभी वर्गों का समावेश किया जा सके तथा सदस्य सक्रिय हों जो अपना समय दे सकें।

सभा में उपस्थित ग्राम प्रतिनिधि के रूप में **श्री भँवरसिंह** ने अपने विचार व्यक्त किये एवं कहा कि विज्ञान समिति से उन्हें पूरा सहयोग मिल रहा है तथा इसके लिए वे 10/10 नम्बर देंगे। गावं से भी पूरे सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि शासकीय कर्मचारियों तथा चुने हुए प्रतिनिधियों से काम करवाना अत्यंत कठिन है। गाँव में नीलगाय का अत्यधिक प्रकोप है तथा इसकी वजह से लोग खेती भी छोड़ रहे हैं। उन्होंने इसके लिए तारबन्दी उपयोगी बतायी तथा अनुदान की मांग की। विलायती बबूल की अधिकता का भी उल्लेख किया। सौर ऊर्जा से 10 स्ट्रीट लाइट लगे जिसकी जिम्मेदारी ग्रामवासियों को दी जा सकती है।

अध्यक्षीय भाषण में **डॉ. जी.एस. तिवारी** ने बतलाया कि बहुत अच्छे सुझाव प्राप्त हुए हैं एवं उन पर कार्यान्वयन किया जाएगा। सबसे अधिक आवश्यकता लोगों को प्रेरणा देने की है एवं उनका विश्वास जीतने की है तथा सब जाति के लोगों को जोड़ना है। उन्होंने बेकयार्ड मुर्गीपालन को उपयोगी बताया। आज के परिप्रेक्ष्य में कृषि का विकास इस प्रकार करना है कि वो फायदे का सौदा हो सके इसके लिए उन्नत बीज तथा अन्य उन्नत तकनीक का उपयोग आवश्यक है।

धन्यवाद **श्री मुनीश गोयल** ने दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय की ओर से एक प्रभावी नोडल ऑफिसर नियुक्त करने पर जोर दिया जो सभी विभागाध्यक्षों आदि से जानकारी एकत्र कर कार्यवाही कर सकें। सर्वेक्षण का जो कार्य पूर्ण नहीं हो पाया है उसके लिए विश्वविद्यालय से सहयोग की अपेक्षा की। गाँव के विकास के प्रयत्न में **डॉ. के.एल. कोठारी, डॉ. जी.एस. आमेटा** तथा ग्राम की ओर से **श्री भँवरसिंह एवं श्री इन्दरसिंह** का सराहनीय सहयोग का उल्लेख किया। अन्त में विज्ञान समिति ने लंच दिया।

## महिला सशक्तीकरण

● **नवाचार महिला प्रकोष्ठ एवं वरिष्ठ महिला प्रकोष्ठ** का सामूहिक कार्यक्रम **झनकार** 16 जनवरी को सांयकाल 6 बजे से विज्ञान समिति के लॉन में आयोजित किया गया, जिसके मुख्य अतिथि थे **प्रो. प्रेमसुमन जैन** तथा विशिष्ट अतिथि थे रोटरी क्लब, उदयपुर के अध्यक्ष। इस वर्ष का थीम था **''हरियालो राजस्थान''** कई बहुत रोचक कार्यक्रम हुए जिनके लिये पिछले 15 दिन से तैयारी चल रही थी। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि **डॉ प्रेम सुमन जैन** विज्ञान समिति संस्थापक **डॉ के एल कोठारी,** दोनों प्रकोष्ठ की मुख्य संयोजिका **श्रीमती पुष्पा कोठारी** ने उपस्थित जन समूह को संबोधित किया, **श्रीमती शकुंतला धाकड़** ने आभार व्यक्त किया। लगभग 175 लोगों की उपस्थिति थी। कार्यक्रम पश्चात् स्वादिष्ट भोजन करवाया गया।

● **ग्रामीण महिला चेतना शिविर :** ग्रामीण महिला चेतना शिविर 30 जनवरी को आयोजित हुआ जिसमें 25 महिलाएं उपस्थित हुई। चंदेसरा, टूस डांगियान, देवाली आदि गाँवों से। आज गाँधीजी की पुण्यतिथि कार्यक्रम गाँधी जी की पुण्यतिथि पर ''वैष्णवजन तो तेने कही ये जे'' भजन के साथ बैठक का शुभारम्भ हुआ। विज्ञान समिति सदस्यों के साथ मिल कर मौन रख कर गांधी जी को श्रद्धांजलि दी गई। **डॉ. के.एल. तोतावत** ने बच्चों के गाँधी जी के बारे में एक शिक्षाप्रद वार्ता दी। **डॉ. के.एल. कोठारी** ने जीवन के कई बिन्दुओं पर सारगर्भित एवं प्रेरणात्मक चर्चा की। **श्रीमती रेणु भण्डारी** ने कार्यक्रम का संचालन किया जनवरी की लहर वितरण की एवं उस पर चर्चा की। माह के त्यौहारों पर जानकारी दी। कुछ महिलाओं ने ऋण की किस्त जमा कराई। महिला चेतना शिविर के नये सदस्यों की फीस भी जमा हुई। महिला समृद्धि योजना के अंतर्गत **श्रीमती हेमलता मेनारिया** को 5,000 रु. के ऋण का चेक दिया गया। **श्रीमती शैल गुप्ता** की तरफ से आज का नाश्ता कराया गया। आने–जाने का व्यय नियमानुसार दिया गया।

## स्वास्थ्य सेवाएं

● **निःशुल्क एक्यूप्रेशर शिविर :** विज्ञान समिति, महावीर इन्टरनेशनल व आरोग्य एक्यूप्रेशर उपचार, शोध एवं प्रशिक्षण प्रन्यास, उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क एक्यूप्रेशर शिविर प्रत्येक गुरुवार व शनिवार को सायं 5 से 6.30 बजे तक सफलतापूर्वक आयोजित हुए। दिसम्बर माह में 8 शिविर हुए जिसमें 105 दर्द पीड़ितों की चिकित्सा की गई। सभी चिकित्सकों का प्रशंसनीय योगदान रहा। आभार।

● **श्री बिजयकुमार सुराणा स्मृति निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर :** विज्ञान समिति में **पचपनवां शिविर** दिनांक 21 जनवरी 2017 तृतीय रविवार को आयोजित किया गया। इस चिकित्सा शिविर में **डॉ. आई.एल. जैन** वरिष्ठ फिजिशियन एवं हृदय रोग विशेषज्ञ, **डॉ. अनुराग तलेसरा** वरिष्ठ अस्थि रोग विशेषज्ञ, **डॉ. भानु प्रकाश वर्मा,** ईएनटी विशेषज्ञ, **डॉ. शोभालाल औदिच्य,** आयुर्वेद विशेषज्ञ, **दर्शन डेंटल कॉलेज** की दंत चिकित्सकीय टीम, **श्री एल. एन. शर्मा, श्री ललित पोरवाल, श्री देवीसिंह देवड़ा, श्रीमती सुशीला जागेटिया की** एक्यूप्रेशर टीम ने अपनी मानद चिकित्सा परामर्श सेवाएं यथावत प्रदान

की। इनके अतिरिक्त टेक्निशियन्स – **श्री उमंग, श्री दिनेश कुमार, श्री प्रेम, श्री देवीलाल** ने भी अपनी सेवाएं दी। सभी के प्रति आभार। शिविर में कुल 45 नागरिकों को (18 सामान्य, 05 हृदय रोग, 21 मधुमेह, 05 अस्थिरोग, 04 दंत रोग, होम्योपेथी–02) विशेषज्ञों ने स्वास्थ्य परीक्षण कर परामर्श दिया। इसी क्रम में 04 नागरिकों को एक्यूप्रेशर थेरेपी से चिकित्सा परामर्श दिया गया। आगामी **छपनवां शिविर 18 फरवरी 2018** रविवार को प्रातः 10 से 12 बजे तक आयोजित होगा। शिविर में **डॉ. के.एल. कोठारी, डॉ. एल. एल. धाकड़, डॉ. के.एल. तोतावत, श्री आर.सी. भटनागर, श्री राजेन्द्र खोखावत, डॉ. बी.एल. चावत, श्रीमती शकुन्तला धाकड़ एवं श्रीमती रेणु खमेसरा** ने विशेष सेवाएं दी।

## दर्शन विज्ञान प्रकोष्ठ

● दर्शन विज्ञान प्रकोष्ठ की बैठक 12 जनवरी को आयोजित हुई जिसमें डॉ देव कोठारी ने प्राकृत साहित्य में ऋषभदेव पर विस्तृत वार्ता प्रस्तुत की। डॉ आई एल जैन के प्रस्ताव ''प्रकोष्ठ को युवाओं के लिए भी कुछ गतिविधियां आयोजित करनी चाहिए'' पर भी विचार हुआ। निर्णय हुआ कि इस प्रस्ताव पर अगली बैठक में चर्चा की जाए , बैठक में 20 लोगों की उपस्थिति थी।

## प्रबुद्ध चिंतन प्रकोष्ठ

● 23 जनवरी 2018 को एक कार्य ाला हमारे वरिष्ठ सदस्य **डॉ एन सी जैन** द्वारा पिछले वर्ष की भाँति इस वर्ष भी एक बहुत उपयोगी कार्यक्रम **ब्रह्मऋषि सुभाष पत्री जी** का ध्यान पर प्रवचन एवं अभ्यास का रखवाया गया। पत्री जी ने कहा कि ध्यान स्वास्थ्य की अन्य विधाओं में सबसे श्रेष्ठ है। यदि आप ध्यान पूरी रुचि से और दिन में बार –बार करते हैं तो अन्य किसी विधा की अपेक्षा शारिरिक स्वास्थ्य अथवा मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से नहीं रहती। मनुष्य सबसे पहले इच्छा करे तत्पश्चात् विधि सीखे और फिर अभ्यास करे और धीरे–धीरे आगे बढ़े। हाथ की अंगुलियों से उन्होंने बताया कि कनिष्का ''तन'' है जो हमें माता–पिता से मिलता है। दूसरी अंगुली अनामिका ''मन'' है जो समाज से प्रभावित होता है। तीसरी अंगुली ''मध्यमा'' है जो बुद्धि है व मनुष्य के पूर्व जन्म के कर्मों से बनती है। चौथी अंगुली ''तर्जनी'' है जो आत्मा को दर्शाती है तथा अंगूठा परमात्मा का प्रतीक है। तन और मन इस जन्म के हैं तथा बुद्धि व आत्मा पूर्व जन्म से आते हैं। मनुष्य की यात्रा तन से परमात्मा तक की है एवं सभी आत्मा का ध्येय परमात्मा बनने का है। ध्यान से इसको प्राप्त किया जा सकता है। ध्यान का कोई समय नहीं है किसी भी समय किसी भी स्थान पर किया जा सकता है। संगीत के साथ तथा पिरामिड के नीचे ध्यान करने से उसके और अच्छे परिणाम मिलते हैं। उन्होंने स्वयं बाँसुरी बजाकर उपस्थित लोगों को ध्यान का अभ्यास करवाया। ध्यान प्रारम्भ होने के पूर्व **श्री महेश अग्रवाल, श्रीमती विजयलक्ष्मी चौहान, जस्सी कौर, श्रीमती कल्पना जैन, डॉ एल एल धाकड़** आदि ने अपने विचार एवं अनुभव साझा किए। **डॉ के एल कोठारी** ने स्वयं के अनुभव बतलाए तथा पत्री जी को विज्ञान समिति पधारने पर धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन प्रबुद्ध चिंतन प्रकोष्ठ की ओर से श्री मुनीश गोयल ने किया।

## गणतंत्र दिवस समारोह

● विज्ञान समिति प्रांगण में **69 वां गणतन्त्र दिवस** समारोहपूर्वक विधि विधान से मनाया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि समाज सेवी एवं दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष **श्रीमान् रोशनलाल जी चित्तौड़ा** ने प्रातः 11 बजे झण्डारोहण किया। विज्ञान समिति संस्थापक **डॉ. के.एल. कोठारी** ने मुख्य अतिथि एवं समारोह में उपस्थित सभी महानुभावों का शब्दों से स्वागत करते हुए इस राष्ट्रीय पर्व पर विज्ञान समिति के योगदान पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि ने इस अवसर पर कहा कि विज्ञान समिति विज्ञान के प्रचार और प्रसार के साथ अध्यात्म एवं धर्म के क्षेत्र में भी एक अग्रणी संस्था के रूप में कार्य कर रही है। इस संस्था से जुड़कर मुझे प्रसन्नता होगी। मुख्य अतिथि का परिचय **डॉ एल एल धाकड़** ने दिया एवं कार्यक्रम का संचालन कार्यकारी अध्यक्ष डॉ **के पी तलेसरा** ने किया। राष्ट्रगान में हमारे पड़ौसी **श्री पीयूष जी सुधाकर** का सहयोग रहा।

## स्नेह मिलन

● विज्ञान समिति के संस्थापक **डॉ. के.एल. कोठारी** ने मेवाड़ की सुप्रसिद्ध राजसमन्द झील के 44 वर्ष पश्चात् लबालब होने की खुशी में एक पिकनिक का आयोजन राजसमन्द की पाल नौचौकी पर 28 जनवरी को आयोजित की। इस कार्यक्रम में **विज्ञान समिति, कोठारी परिवारजन एवं**

**भिक्षु आलोक संस्थान केलवा, तुलसी साधना शिखर** के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भाग लिया। सदस्यों का नाश्ता का कार्यक्रम प्रातः 10 बजे विद्यार्थियों के नैतिक उन्नयन हेतु समर्पित अणुविभा के प्रांगण में रखा गया। सदस्यों ने अणुविभा की गतिविधियों का जिज्ञासा के साथ पूर्ण रुचि लेकर अवलोकन किया। इसके उपरान्त सभी सदस्यों ने राजसमंद की मुख्य पाल नौचोकियां पर आयोजित सांस्कृतिक मनोरंजक कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम में कोठारी परिवार के सभी सदस्यों ने मेवाड़ और राजस्थान के सांस्कृतिक परिवेश में लिखे गये गीतों का ढोलक एवं वाद्य यन्त्रों के साथ जोश एवं उमंग के साथ सह गान किया। राजसमंद के प्रख्यात कवि **प्रमोद कुमार सनाढ्य, श्री सूर्य प्रकाश दीक्षित, श्रीमान् एडवोकेट डी एस कर्णावट, श्री लक्ष्मण जी कर्णावट एवं श्री भँवर जी वागरेचा** ने भी कविताओं एवं काव्य रचनाएं प्रस्तुत किया। कार्यक्रम स्थान की पृष्ठभूमि में पानी से लबालब विशाल झील का दृश्य अति मनमोहक एवं उत्साहवर्द्धक था। डॉ के एल कोठारी ने इस अवसर पर कहा कि कुछ वर्ष पूर्व मैं राजसमंद आया था। जब इसे खाली देखकर मन दुःखी हुआ और मैंने उस अवसर पर यह निश्चय किया कि जब ये झील पूर्ण भरेगी मैं यहाँ पर अपने परिवार, मित्रों, शुभचिंतकों के साथ आऊंगा। उन्होंने कहा कि आप सब आज यहाँ पधारें, मेरी मनोकामना पूरी की, कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई उसके लिए मैं सबका आभार व्यक्त करता हूँ। तुलसी साधना शिखर पर आयोजित अपरान्ह भोज का सभी ने आनंद लिया।

## केलवा प्रोजेक्ट

● श्रद्धा का जनवरी अंक प्रकाशित एवं वितरित हुआ। 28 जनवरी को निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन हुआ जिसमें 196 रोगियों की जांच की गई। उनमें से 36 रोगियों की निःशुल्क व्यवस्था से उदयपुर में शल्य चिकित्सा करवाई गई।

## सदस्यों सम्बन्धी

●हमारे अध्यक्ष **डॉ के.बी. शर्मा** को 12 जनवरी को पूव की तरह पुनः कुछ हल्का पेरेलेटिक अटैक हुआ जिससे उनके बोलने में कठिनाई हुई इसका तुरंत उपचार पेसिफिक चिकित्सालय, भीलों का बेदला में **डॉ. अतुलाभ वाजपेयी** के नेतृत्व में किया गया जो क्लोट आया था वह निकल गया और धीरे–धीरे पुनः स्थिति ठीक हो गई। विज्ञान समिति की ओर से पूर्ण स्वस्थता के बारे में शुभकामनाएं।

●हमारी वरिष्ठ सदस्या **प्रो. विभा भटनागर** को हल्का हृदयघात हुआ। वो घर पर ही स्वास्थ्य लाभ ले रह हैं शीघ्र और पूर्ण स्वास्थ्य लाभ की शुभकामनाएं।

●. हमारे संरक्षक सदस्य **श्री राज लोढ़ा** के साला जी **श्री गोपाल मेहता** (पूर्व महामंत्री, महावीर इंटरनेशनल अपेक्स) के आकस्मिक निधन पर विज्ञान समिति परिवार हार्दिक संवेदना प्रकट करता है। दिवंगत आत्मा के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि।

● हमारे वरिष्ठ सदस्य **डॉ. अरुण बोर्दिया** की बहन **श्रीमती प्रतिभा जी जैन** के आकस्मिक निधन पर विज्ञान समिति परिवार संवेदना प्रकट करता है। दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि।

●हमारे सदस्य **श्री भैरुसिंह भण्डारी** का महावीर साधना एवं स्वाध्याय केन्द्र, अम्बामाता ने उत्कृष्ट सामाजिक कार्य क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए 26 जनवरी को सम्मानित किया गया। हार्दिक बधाई।

## भजन कार्यक्रम

बसन्त पंचमी दिनांक 22 जनवरी 2018 को प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी अलख नयन मंदिर की ओर से विस्तृत भजनों का कार्यक्रम मेरी क्यूरी सभागार में प्रातः 9 बजे से 2 बजे तक रहा। तत्पश्चात प्रसाद का कार्यक्रम रहा। इस कार्यक्रम के लिए सभागार हम प्रतिवर्ष निःशुल्क आवंटित करते हैं।

**बुक-पोस्ट**

प्रेषक : विज्ञान समिति, रोड़ नं. 17, अशोक नगर, उदयपुर

सेवा में

## जन्मदिन की बधाइयाँ

**February**

| | |
|---|---|
| Smt. Anila Doshi | 05/02 |
| Smt. Vibha Bhatnagar | 11/02 |
| Dr. N.L. Kachhara | 15/02 |
| Dr. Kamala Kawarani | 18/02 |
| Dr.Mahip Bhatnagar | 11/02 |
| Sh. S.K. Verma | 17/02 |
| Smt. Pushpa Kothari | 19/02 |
| Sh. Y.K. Gupta | 22/02 |

**March**

| | |
|---|---|
| Sh. SL Godawat | 03/03 |
| Dr. Prachi Bhatnagar | 04/03 |
| Sh. V.K. Sood | 06/03 |
| Sh. RS Sojatia | 08/03 |
| Shri Arun Kothari | 09/03 |
| Dr. R.L. Jain | 10/03 |
| Mrs. Manjula Bordia | 13/03 |
| Sh. V.B. Singh | 21/03 |
| Sh. B.S. Mehta | 24/03 |
| Sh.Babulal Kothari | 25/03 |
| Mrs. Mamta Kothari | 27/03 |

जनवरी माह में श्रीमान् हनुमन्त जी तलेसरा एवं श्रीमती विमला जी कोठारी का जन्मदिन क्रमशः समिति प्रांगण एवं राजसमन्द की नौ चौकी पाल पर उत्साहपूर्वक मनाया गया।

## विज्ञान समिति के फरवरी माह के कार्यक्रम

- **मासिक प्रकाशन :** लोकविज्ञान, लहर तथा मासिक रिपोर्ट का नियमित प्रकाशन
- **नियमित स्वास्थ्य सेवाएं**

❐ एक्यूप्रेशर चिकित्सा : प्रत्येक गुरुवार व शनिवार को सायंकाल 5 से 6.30 समिति परिसर में

❐ श्री बिजय कुमार सुराणा निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविरः समिति परिसर में तीसरे रविवार 18 फरवरी 2018 प्रातः 10 से 12 बजे तक

| नियमित मासिक गतिविधियां | दिनांक | समय |
|---|---|---|
| ✱ कृषि वि.वि. साझा कार्यक्रम के अंतर्गत देवाली ग्राम में कार्यक्रम | लगभग प्रति सप्ताह | |
| ✱ नवाचार महिला प्रकोष्ठ | शनिवार 10 फरवरी प्रातः | 11.00 बजे से |
| ✱ दर्शन विज्ञान प्रकोष्ठ | गुरुवार 15 फरवरी प्रातः | 11.00 बजे से |
| ✱ वरिष्ठ महिला प्रकोष्ठ | मंगलवार 20 फरवरी प्रातः | 11.00 बजे से |
| ✱ प्रबुद्ध चिंतन प्रकोष्ठ बैठक | शनिवार 24 फरवरी प्रातः | 11.00 बजे से |
| ✱ ग्रामीण महिला चेतना शिविर | बुधवार 28 फरवरी प्रातः | 11.00 बजे से |
| **विशेष कार्यक्रम** | | |
| ✱ सिलाई प्रशिक्षण – महावीर इंटरनेशन के सहयोग से चंदेसरा गांव में | मंगलवार 06 फरवरी प्रातः | 11.00 बजे से |
| ✱ विज्ञान दिवस देवाली एवं घणोली के विद्यालयों में | बुधवार 28 फरवरी प्रातः | 11.00 बजे से |
| ✱ युवा प्रकोष्ठ का कार्यक्रम : जिज्ञासा –2 आहार एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी | दिनांक निश्चित होने पर | |

## अपील

- कार्यकारिणी के निर्णयानुसार प्रत्येक सदस्य को एक हजार रु. प्रतिवर्ष समिति की गतिविधियों के लिए देना है। इस निर्णय का चौथा वर्ष पूर्ण हो रहा है। कृपया सहयोग प्रदान करावें।
- निर्माण, स्थायी कोष (कोरपस फंड), महिला समृद्धि कोष, छात्रवृत्ति कोष एवं अभावग्रस्त सहयोग फंड के लिए भी आर्थिक सहयोग अपेक्षित है।

**सौजन्य :– श्रीमान् मदनसिंह जी–श्रीमती लीला जी सुराना, 8–सी, मधुबन, उदयपुर (वर्तमान में हांगकांग)**